TheHitavada
Nagpur City Line | 2025-10-16 | Page- 6
ehitavada.com

'Standards play critical role in driving quality across sectors'

■ **Business Reporter**

THE Bureau of Indian Standards (BIS), Nagpur Branch Office, organised a vibrant and impactful celebration on October 14, 2025 to mark World Standards Day 2025, at Hotel Radisson Blu, Nagpur. The event brought together a wide cross-section of stakeholders including industry leaders, academicians, Government officials, researchers, NGOs, and students, to reflect on this year's theme 'Shared Vision for a Better World – Spotlight on SDG 17: Partnerships for the Goals.'

Hemant B Ade, Director, BIS Nagpur, emphasised the critical role of standards in driving quality, safety, and sustainability across sectors. Raunak Sukhadeve, Joint Director, BIS Nagpur, conveyed the official message from ISO/IEC/ITU and delivered the thematic address, underlining the significance of global collaboration and standardization in achieving the United Nations Sustainable Development Goals (SDGs).

A Quality Pledge was then administered by Nisha Kanbargi, Scientist D, BIS Nagpur, reaffirming BIS's mission of fostering a culture of quality and accountability among citizens and institutions.

The event was formally inaugurated by chief guest Dr (Prof) Prem Lal Patel, Director, Visvesvaraya National Institute of Technology (VNIT), Nagpur. Girish Pophali, Chief Scientist, CSIR–NEERI, Nagpur, spoke on environmental sustainability and the role of standards in clean technologies.

The afternoon session was dedicated to cultural performances and a science model exhibition by students from BIS Standards Clubs across the region. The session was inaugurated by Manisha Bhadang, Class-I Officer, Education Department, Nagpur.

Powered by Bharati Web

लोकमत समाचार

सतत विकास लक्ष्यों की प्राप्ति में सहयोग आवश्यक

आयोजन बीआईएस ने मनाया विश्व मानक दिवस

लोकमत समाचार सेवा

नागपुर : विश्वेश्वरैया राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (वीएनआईटी), नागपुर के निदेशक प्रो. डॉ. प्रेम लाल पटेल ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति के लिए वैश्विक, राष्ट्रीय और क्षेत्रीय स्तर पर सहयोग को मजबूत करना आवश्यक है. मौजूदा समय में जलवायु परिवर्तन, संसाधनों की कमी और सामाजिक असमानताओं जैसी अन्य चुनौतियों के बीच इन लक्ष्यों को हासिल करना कठिन जरूर है, लेकिन सामूहिक प्रयासों से यह संभव है.

वे मंगलवार को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा रेडिसन ब्लू होटल, वर्धा रोड में आयोजित विश्व मानक दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रुप में बोल रहे थे. समारोह का विषय 'एक बेहतर विश्व के लिए साझा दृष्टिकोण : विशेष ध्यान– सतत विकास लक्ष्य 17' था.

प्रो. पटेल ने कहा कि भारत ने क्लाइमेट एक्शन, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन और टेलीकम्युनिकेशन जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है. लेकिन विकसित और विकासशील देशों के बीच कोलैबोरेशन (सहयोग) को और सशक्त बनाना जरुरी है, जिससे लोगों के जीवन स्तर में सुधार हो सके. उन्होंने उद्योगों, सिविल सोसायटी और अनुसंधान संस्थानों के बीच समन्वय पर विशेष बल दिया.

कार्यक्रम में उपस्थित वीएनआईटी के निदेशक प्रो. डॉ. प्रेमलाल पटेल, बीआईएस के निदेशक हेमंत अडे, नीरी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. गिरीश पोफली, आईआईएम नागपुर के प्रो. राजीव अग्रवाल व वीएनआईटी नागपुर के डीन (रिसर्च व कंसल्टेंसी) डॉ. यशवंत कटपटल.

नीरी के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. गिरीश पोफली ने कहा कि वैश्विक सहयोग से ही तकनीकी ज्ञान, नवाचार और संसाधनों का आदान-प्रदान संभव है. उन्होंने नीरी द्वारा यूरोपीय देशों के साथ मिलकर किए जा रहे पर्यावरणीय प्रकल्पों की जानकारी दी.